मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–106

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2025
बी.एस.के.सी.-106 : काव्यशास्त्र और साहित्यिक आलोचना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक उनके सामने अंकित हैं।

---

1. भरत के रससूत्र का विशद विवेचन कीजिए। 20

अथवा

काव्य के उद्‌भव और विकास को समझाइए।

2. मम्मट के अनुसार अभिधा शब्द-शक्ति का विवेचन कीजिए। 20

अथवा

नाटक का लक्षण लिखकर उसके प्रकारों को बताइए।

3. गद्य काव्यों का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

मम्मट के काव्य-प्रयोजन का विवेचन कीजिए।

4. उत्पत्तिवाद का विवेचन कीजिए। 10

अथवा

रस की अलौकिकता पर एक निबन्ध लिखिए।

5. भ्रान्तिमान **अथवा** अपह्नुति का लक्षण बताते हुए उदाहरण से स्पष्ट कीजिए। 10

6. निम्नलिखित श्लोक में से कौन-सा अलंकार है ? लक्षण को बताते हुए स्पष्ट कजिए : 10

अनङ्गरङ्गप्रतिमं तदङ्ग भङ्गीभिरङ्गीकृतमानताङ्ग्याः।

कुर्वन्ति यूनां सहसा यथैताः स्वन्तानि शान्तापरचिन्तनानि॥

अथवा

कपाले मार्जारः पय इति करान् लेढि शशिनः

तरुच्छिद्रप्रोतान् विसमिति करी सङ्कलयति।

रतान्ते तल्पस्थान हरित वनिताऽत्यंशुकमिति

प्रभामत्तश्चन्द्रो जगदिदमहो विप्लवयति॥

7. इन्द्रवज्रा **अथवा** शिखरिणी छन्द का लक्षण देते हुए उसके उदाहरण श्लोक को लिखकर उसका स्पष्टीकरण लिखिए। 10

8. निम्नलिखित श्लोक में कौन-सा छन्द है ? उसका लक्षण बताते हुए स्पष्टीकरण दीजिए : 10

आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोग विज्ञानम्।
बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥

अथवा

अभिमुखे मयि संहृतमीक्षित
हसित मन्यनिमित्तकृतोदयम्।
विनयवारित वृत्तिरतस्तया
न विवृतो मदनो न च संवृतः॥

× × × × ×